Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

APF–2014

M.A. (Final) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - IV(a)

(विशिष्ट साहित्यकार ईसरदास)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

नोट :– सगळा सवालां रा उत्तर राजस्थानी में ई देवणा है।

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्तै **50** सबद अर 2 अंक राखीज्या है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्तै **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार मांय सूं कोई **दो** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्तै **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. नीचे लिख्योड़ा सवालां रा पडूत्तर देवो। (सबद-सीमा **50** सबद) :

   (i) ईसरदास जी रो जलम कठै होयो ? आपरे पिता रो नाम लिखो।

   (ii) ईसरदास जी रै गुजरात जावण रो कांई कारण हो ?

   (iii) ईसरदास रै देवियांण रचना रो मूळ कारण कांई हो ?

(iv) "अवध नीर तन अंजळी, टपकत सास उसास" रो भाव लिखो।

(v) ईसरदास जी आपरा गुरु रै वास्तै जिको 'दूहो' लिख्यो वो हरिरस रो दूहो लिखो।

(vi) "पीठ धरणी धर पट्टड़ी, हर-उत लेखणहार" में कवि कांई कैवणी चावै ?

(vii) "महुंगा देसी झूंपड़ा जै धरि होसी नाह" अे बोल कुण अर किणरै वास्तै केवै ?

(viii) ईसरदास बारठ ने गुजरात में किसा-किसा गांव राजदरबार कांनी सूं मिलिया ?

(ix) ईसरदास जी कित्ता ब्याव करिया ? उणारी जोड़ायतां रा नाम लिखो।

(x) ईसरदासजी रै कित्ता बेटा हा ? उणारा नाम लिखो।

खण्ड-ब

नोट :- नीचै लिख्योड़ा सवालां मांय सूं किणी पांच रा पडूत्तर देवो: (पद्यांसां री सप्रसंग व्याख्या करो। (सबद-सीमा **200** सबद) :

2. माहरा क्रम मेटिवा माधव,
क्रम हूं कथिस तुहारा केसव।
नाम तुहारउ हो! घण नामी
सास-सास संभारिस सामी॥

3. पहलो नाम प्रमेस रो, जिण जग मंडियो जोय।
तीन भुवन चो रज्जियो, सुफल करेसी सोय॥
भगत-बछळ मो दे भगति, भांज परा सह भ्रम्म।
मूझ तणा क्रम मेटवा, कथूं तुहाका क्रम्म॥

4. आभ विछूटा माणसा, है धर झल्लणहार।
धरणीधर धर छंडियां, अेक तूझ आधार॥
जाळ टकै मन मळ जळै, थावै निरमळ देह।
भाग हुवै तो भागवत, साभळिये श्रवणेह॥

5. हरि नांम परहर अवर, नंह संभार अजांण।
तरु छंडी लागी लता, पाथर चे गळ जांण॥
हर हर कर परहर अवर, हर रो नाम रतन्न।
पांचू पांडव तारिया, कर दागियो करन्न॥

6. ऊठि अढंगा बोलणा, कामाठी आखै कंत।
ऐ हल्ला तो ऊपरां हूंकळ कळळ हुवंत॥
हूकळै सींधवो वीर कळहळ हुवै।
वरण कजिअपछरां, सूरिमां बहु बुवै॥
त्रिजड़-इथ मयंद जुध गयंद धड़ तोलणा।
ऊठि (ऊठि) हरधवळ सुत अढंगा बोलणा॥

7. घोड़ां हींस न भल्लिया पिय नींदड़ी निवारि।
वैरि आया पावणां दळ थंभ तूझ दुवारि॥
दळ थंभ तुझ दुवारि झुंझारि धवळ तणा।
घणां बिरदां लहण आविया अरि घणा॥
घणां नींदालवां नींद वारो घणी।
तूंग नह छै भली हींस घोड़ां तणी॥

8. देवी रुकमणी रूप तूं कान सोहे,
देवी कान रे रूप तूं गोपी मोहे,
देवी सीत रे रूप तूं राम साथै,
देवी राम रे रूप तूं भग्त हाथै॥

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्योड़ा सवालां मांय सूं किणी **दो** रा पड़ूत्तर देवो:। (सबद-सीमा **500** सबद) :

9. ईसरदासजी ने 'ईसरा सो परमेसरा' रो विरद क्यूं दिरीजै ? दाखलां सूं इण रो खुलासो करो।
10. ईसरदास रो जीवण परिचय अर जीवण यात्रा माथै लेख लिखो।
11. 'देवियांण' में देवी री सख व्यापकता रो वरणन होयो है। इणरी विरोळ दाखलां सूदी करो।
12. ईसरदासजी री भगति परक रचनावां रा नाम गिणावतां थकां 'हरिरस' रो मिनरवा जूण में महत्त्व समझावो।